

एसओएसओवर्ल्डिया,
उपसचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में

निदेशक,
युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल
देहरादून।

युवा कल्याण अनुभाग:

देहरादून

दिनांक 31 अक्टूबर 2007

विषय: निदेशालय हेतु आवासीय भवनों के निर्माण हेतु वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति दिये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

- उपरोक्त विषयक निदेशालय के पत्र संख्या 225/दो-1493/2007-2008 दिनांक 31 मई 2007, पत्र संख्या 409/दो-1493/2007-2008 दिनांक 28 जुलाई 2007 तथा शासनादेश संख्या 74/VI-I/2006-44(युवा)2002 दिनांक 10 अक्टूबर 2006 के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल निदेशालय एवं राज्य युवा कल्याण परिषद में कार्यरत अधिकारियों / कर्मचारियों के लिए आवासीय भवनों के निर्माण हेतु वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-08 में रु० 45.00 लाख (रु० पैंतालिस लाख मात्र) की धनराशि आपके निर्वर्तन पर रखते हुए व्यय करने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।
2. आगमन में उल्लिखित दरों का विश्लेषण विभाग के अधीक्षण अभियन्ता द्वारा स्वीकृत/अनुमोदित दरों को तथा जो दरें शिड्यूल ऑफ रेट में स्वीकृत नहीं हैं अथवा बाजार भाव से ली गई हों, की स्वीकृति नियमानुसार अधीक्षण अभियन्ता से अनुमोदन करना आवश्यक होगा। तदोपरान्त ही आगमन की स्वीकृति मान्य होगी।
3. कार्य कराने से पूर्व विस्तृत आगमन / मानचित्र गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से प्राविधिक स्वीकृति प्राप्त करनी होगी, बिना प्राविधिक स्वीकृति के किसी भी दशा में कार्य को प्रारम्भ न किया जाये।
4. कार्य पर उतना ही व्यय किया जाये जितना कि स्वीकृत नार्म है, स्वीकृति नार्म से अधिक व्यय कदापि न किया जाय।
5. एक मुश्त प्राविधान को कार्य करने से पूर्व विस्तृत आगमन गठित कर नियमानुसार सक्षम प्राधिकारी से स्वीकृति प्राप्त करने के उपरान्त कार्य टैंकअप किया जाये।
6. कार्य कराने से पूर्व सम्स्त औपचारिकताएँ तकनीकी दृष्टि को मध्यनजर रखते हुए निर्माण कार्य को सम्पादित कराना सुनिश्चित करें।
7. कार्य कराने पूर्व स्थल का भूतल भौतिक निरीक्षण उक्त अधिकारियों के साथ अवश्य करा लें। निरीक्षण के पश्चात् स्थल आवश्यकतानुसार निर्देशों तथा निरीक्षण रिपोर्टों के अनुरूप कार्य किया जाये।
8. आगमन में जिन मदों हेतु जो राशि स्वीकृत की गयी है, उसी मद पर व्यय किया जाये, एक मद का दूसरी मद में व्यय कदापि न किया जाये।
9. निर्माण सामग्री प्रयोग में लाने से पूर्व सामग्री का किसी प्रयोगशाला से टेस्टिंग करा ली जाये तथा उपयुक्त पायी जाने वाली सामग्री को ही प्रयोग में लाया जाये।
10. जी०पी०डब्ल्यू फार्म 9 की शर्तों के अनुसार निर्माण कार्य सम्पादित करना होगा तथा समय से कार्य को पूर्ण न करने पर 10 प्रतिशत की दर से आगमन की कुल लागत का निर्माण इकाई से दण्ड वसूल किया जायेगा।
11. किसी भी कार्यालय/संस्थाओं के निर्माण को विस्तृत आगमन गठित करते समय स्वीकृत ज्ञातव्य एवं नार्मस के अनुसार गठित किया जाये तथा उसकी सूचना प्रशासनिक विभाग को भी दें एवं डिग्री कालेजों / मेडिकल के हॉस्टलों का निर्माण एच०आई० सी० के मानकों के आधार पर प्रारम्भिक आगमन गठित किये जायें।
12. मुख्य सचिव उत्तराखण्ड के शासनादेश सं० 2047 XII-219/(2006) दिनांक 30 मई 2006 द्वारा निर्गत आदेशों के क्रम में कार्य करते समय अथवा आगमन गठित करते समय कड़ाई से पालन करने का काट करें।
13. उपरोक्त आवंटित धनराशि का उपयोग केवल उन्हीं मदों में किया जायेगा जिन मदों के लिये यह स्वीकृत किया जा रहा है। यहाँ यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिये बजट मैनुअल या वित्तीय हस्त पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृत व्यय में वितव्यता नितान्त आवश्यक है।
14. किसी भी में व्यय के पूर्व वित्तीय हस्तपुस्तिका बजट मैनुअल, भंडार कय नियम तथा वितव्यता सम्बन्धी समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। उपकरणों का कय डी०जी०एस०एण्ड डी० की दरों पर किया जायेगा और ये दरें न होने की स्थिति में टेंडर (कोटेशन) विषयक नियमों का अनुपालन करते हुये ही किया जायेगा।

14. उक्त धनराशि के पूर्ण उपयोग एवं कार्य की वित्तीय एवं भौतिक प्रगति का विवरण देने के बाद ही आगामी अवशेष धनराशि अवमुक्त की जायेगी।

15. उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-2008 के अनुदान संख्या -11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक -4202-शिक्षा, खेलकूद तथा संस्कृति पर पूंजीगत परिव्यय -03-खेलकूद तथा युवा सेवा खेलकूद स्टेडियम -102-खेलकूद स्टेडियम (लघुशीर्षक) के स्थान पर) -10-युवा कल्याण निदेशालय के आवासीय भवनों का निर्माण -24-बृहद निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

16. उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अशा॥0 पत्र संख्या-268(P) वित्त अनुभाग-3/2007 दिनांक 15 अक्टूबर 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(एस0एस0वह्मिद्या)
उपसचिव

पृष्ठांकन संख्या:- 120/VI-1/2006-44(युवा)2004 तददिनांकित
प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तरांचल, देहरादून।
- 2- निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
- 3- निजी सचिव, मा० युवा कल्याण मंत्री जी, उत्तरांचल शासन।
- 4- अपर सचिव, वित्त उत्तरांचल शासन।
- 5- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 6- अधिशासी अभियन्ता ग्रामीण अभियन्त्रण सेवा, देहरादून।
- 6- वित्त अनुभाग-3 उत्तरांचल शासन।
- 7- एन०आई०सी० सचिवालय देहरादून।
- 8- गार्ड फाईल।

आज्ञा से

(एस०एस०वह्मिद्या)
उपसचिव